हरियाणा के कारीगरों से सीखा नकली पनीर बनाना, पश्चिम UP के बाद अब पूर्वांचल में बना रहे ठिकाना

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग के छापे में नष्ट किया गया नकली पनीर स्किम्ड मिल्क पाउडर, पाम आयल मिलाकर बनाया जा रहा था। पनीर का पीलापन हटाने के लिए सेफोलाइट, टीनोपाल का इस्तेमाल किया जा रहा था। हरियाणा के कारीगरों ने प्रदेश के मिलावटखोरों को इसे बनाने का तरीका सिखाया। इसके बाद उन्होंने स्वयं भी अपनी फैक्ट्री डालकर नकली पनीर तैयार करके बेचना शुरू कर दिया।

सिद्धार्थ नगर, देवरिया, प्रतापगढ़ में जिन फैक्ट्री को एफएसडीए ने सील किया है, वहां इन्हीं रसायनों से मिलाकर पनीर बनाया जा रहा था। हरियाणा के पलवल, नूंह के कारीगर नकली पनीर बनाकर पश्चिम उत्तर प्रदेश, मथुरा व अन्य जिलों में आपूर्ति कर रहे हैं। आगरा एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा पर नकली पनीर के साथ पकड़ा गया पलवल का पिकअप वाहन भी इसी सिंडिकेट का था। एफएसडीए के अनुसार सिंडीकेट के लोगों ने पश्चिम उत्तर प्रदेश के मिलावटखोरों को नकली पनीर बनाना सिखाया। इसके बाद पूर्वांचल भी पहुंच गए।

Source: https://www.jagran.com/uttar-pradesh/lucknow-city-fake-paneer-racket-busted-haryana-artisans-teach-up-locals-how-to-make-counterfeit-cheese-40049371.html